1. 249
2. **विजीत रवीन्द्र कुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 22.06.1988
5. 18.10
6. झांसी
7. B.B.A (Marketing)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस टोयोटा मोटर्स
11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. बी–19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. **9451832713**
16. **9827739279**

1. 250
2. **रवीश रवीन्द्र कुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. B.Tech (I.T.)
8. 5'8''
9. गेहुँआ
10. सर्विस–डेल इंडिया, बैंगलोर
11. 7.00 लाख
12. –
13. –
14. बी–19, गणेश कालोनी झाँसी
15. **9451832713**
16. **9827739279**

1. 251
2. **शैलेषकुमार रामचंद्र जैन**
3. पंचरतन/सुहाने
4. 26.11.1991
5. 10.45
6. देवेन्द्रनगर
7. B.A.
8. 5'8''/55 कि.
9. गेहुँआ
10. थोक किराना
11. 3.20 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. पुरानी अस्पताल के सामने देवेन्द्रनगर जिला पन्ना
15. **7566640968, 9993876140**
16. **9151562326**

1. 252
2. **तेजस्व एड. अभयकुमार जैन**
3. गुहारे/हूहीमूर वात्सल्य
4. 29.04.1991
5. 14.10
6. सागर
7. B.E. Hon's.
8. 5'9'' / 75 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस–पुणे
11. 8.00 लाख
12. –
13. नहीं
14. बी–14, आदि होम्स राइट टाउन, जबलपुर
15. **9826167053, 9754654832**
16. **9424678727**

1. 253
2. **विनय विजयकुमार जैन**
3. सोनब्यारे/पवईया
4. 07.05.1984
5. 22.25
6. द्वारी (पन्ना)
7. Higher Secondary
8. 5'3'' / –
9. गोरा
10. किराना एवं गल्ला व्यवसाय
11. –
12. –
13. हाँ
14. ग्राम पोरट द्वारी जिला पन्ना
15. **9753625546**
16. –

1. 254
2. **जयेश जीवनलाल जैन**
3. सुनाचर/वैद्य
4. 18.11.1986
5. 2.25
6. इन्दौर
7. B.Com
8. 5'4'' / 60कि.
9. गोरा
10. सर्विस– अकाउटेंट
11. 4.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. 5/4, विजय नगर इन्दौर
15. **8109221798**
16. **9630379012**

1. 255
2. **अमित अरुण कुमार पंचरतन**
3. पंचरतन/फणीश
4. 06.05.1985
5. 21.10
6. खुरई
7. M.B.A.
8. 5'5'' / 55कि.
9. गोरा
10. सर्विस– सेंट्रल बैंक
11. 4.50 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड, खुरई जिला सागर
15. **9425347072**
16. **9827254111**

1. 256
2. **प्रियेश प्रदीपकुमार जैन**
3. प्रधान/फणीश
4. 21.09.1990
5. 3.04
6. झाँसी
7. Mass Communication MBA
8. 5'10'' / 70 कि.
9. गोरा
10. व्यवसाय – पत्रिका प्रकाशक
11. 20.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. 34, चंद्रशेखर आजाद झाँसी
15. **8840910043, 9981924252**
16. **9450071632**

1. 257
2. **प्रासुक प्रदीपकुमार जैन**
3. वैद्य/पंचरतन
4. 12.01.1991
5. 05.00
6. बाकल
7. B.E.
8. 5'8'' / 70 कि.
9. गोरा
10. असि. प्रोफेसर
11. –
12. नहीं
13. नहीं
14. 275, मोदी क्लाथ स्टोर बाकल जिला कटनी
15. **9584672038**
16. **9981287724**

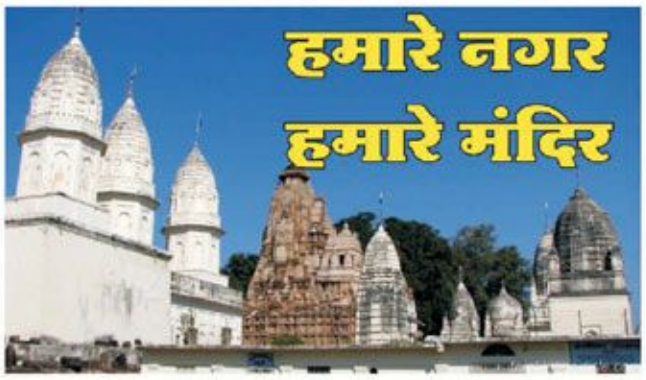

खजुराहो में पूर्वी मंदिर समूह में प्रमुख है जैन मंदिर। इस परिसर में कुल 15 जैन मंदिर है। इसमें पार्श्वनाथ और आदिनाथ मंदिर ही मूल स्वरुप में है। इसके साथ ही परिसर में एक जैन संग्रहालय भी है। यहां बना पार्श्वनाथ मंदिर खजुराहों में सुंदरतम मंदिरों में से एक है। यह 68 फीट लंबा 65 फीट चौड़ा है। यह मंदिर एक विशाल जगती पर निर्मित किया गया है। मूलत: इस मंदिर में 1008 श्री आदिनाथ भगवानजी की प्रतिमा वर्तमान में यहां पार्श्वनाथ की प्रतिमा है जो उन्नीसवीं शताब्दी की है। इस प्रकार यह मंदिर आदिनाथ को समर्पित था। इस मंदिर का निर्माण 950 ई. से 970 ई. के बीच यशोवर्मन के पुत्र धंगदेव के शासनकाल में हुआ था। एक अभिलेख के मुताबिक इस मंदिर का निर्माण जैन श्रेष्ठी पहिल द्वारा करवाया गया। जैन श्रेष्ठी पहिल द्वारा मंदिर को खजुराहों में सात वाटिकाएं बनाकर दान में दी गई थी। प्रशासन द्वारा इस वाटिका को बेहतर रखरखाव किया जा रहा है।

मंदिर के प्रमुख भागों में मंडप, महामंडप, अंतराल और गर्भगृह है। मंदिर के चाराओं ओर परिक्रमा पथ का भी निर्माण किया गया है। मंदिर के मंडप की तोरण सज्जा के अलंकरण काफी सुंदर है। इसमें काफी मूर्तियां भी बनी है। यहां शाल भंजिकाएं, अप्सराएं और पार्श्वदेवी की मूर्तियां देखी जा सकती है। मंदिर में विभिन्न मुद्राओं में गंधर्व और यक्ष मिथुन ढ़ोल, तुरही, मंजिरा, शंख, मृंदग तथा तंतुवाद्य बजाते हुए सरित देवियों के ऊपर तोरण तक अंकित किये गये देखे जा सकते है। मंदिर के गर्भगृह में दिगम्बर जैन साधु तथा साध्वी दिखाए गए हैं। मंदिर में राम–सीता और हनुमान की मूर्तियां भी देखी जा सकती है। अप्सराओं की प्रतिमाएं तो अलग अलग कई भाव भंगिमाओं देखी जा सकती है। मंदिर परिसर में एक विशाल कुआं स्थित है।

खजुराहो में केवल पार्श्वनाथ मंदिर में ही कृष्ण लीला से संबंधित दृश्य भी उत्कीर्ण किये गये है। खजुराहो के जैन मंदिरों में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इतिहास के प्रोफेसर रहे मारुति नंदन तिवारी ने गहन शोध किया है। उन्होंने खजुराहों के जैन मंदिरों पर एक पुस्तक भी लिखी है। खजुराहो के जैन मंदिर के पास ही साहू शांति प्रसाद जैन कला संग्रहालय स्थित है। इस गोल इमारत में कई मूर्तियां देखी जा सकती है।

शांतिप्रसाद जैन 1970 एवं 1977 में पधारे थे। तब लोगों ने उनके संग्रहालय बनवाने का आग्रह किया था। खजुराहो के जैन मंदिरों को देखकर लगता है कि चंदेल राज्य में जैन अल्पसंख्यक होते भी आर्थिक रुप से समृद्ध और मजबूत स्थिति में थे। खजुराहो में कई जैन श्रेष्ठी परिवार थे। कनिंघम लिखते है कि 1852 में जब वे खजुराहो आये तो पूर्वी मंदिर समूह का जैन मंदिर परित्यक्त अवस्था में था पर बाद में जैन समाज ने इसका जीर्णोद्धार कराया। चंदेल राजा बिजय पाल के पुत्र कीर्तिवर्मन के काल में खजुराहो में जैन मंदिरों का प्रयाप्त निर्माण हुआ।

खजुराहो में बनेगा सहस्त्रकूट जिनालय – परम पूज्य 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज ससंघ अतिशय क्षेत्र श्री खजुराहो में विराजमान है। 15 जुलाई को खजुराहो में सहस्त्रकूट चैत्यालय के निर्माण की घोषणा संतशिरोमणिजी के सानिध्य एवं आशीर्वाद से हुई। आचार्यश्री का आशीर्वाद मिलते ही दानवीर श्री राजा भैया (सूरत) ने शिखर की मूर्ति ली और खजुराहो क्षेत्र में जिनालय हेतु 108 मूर्तियां सूरत समाज व 108 मूर्तियां सतना समाज व 110 मूर्तियां छतरपुर जिले के समाजजनों ने अपनी ओर से स्थापित करने की घोषणा की। खजुराहों में आचार्यश्री के चरण पड़ते ही बड़े बाबा और छोटे बाबा का अतिशय बरसने लगा और क्षेत्र दिनोंदिन उत्तरोत्तर प्रगति की ओर आगे अग्रसर हो रहा है।

संकलन – वर्षा ऋतु जैन

बच्चों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर बायोडाटा का प्रकाशन कर समय से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

विशाल जैन, पवा, तालबेहट। वर्तमान समय के भौतिक वातावरण की चकाचौंध में हमारी समाज केवल वित्त के पीछे भाग रही है। जिसमें इंसान अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को भूल रहा है। आज काफी माता पिता अपने बच्चों की शादी बहुत विलम्ब से कर रहे है उनको लड़की पसंद नहीं आती, शादी की सही उम्र 20 से 24 वर्ष तक है, विशेषज्ञों का भी कहना है कि 30 वर्ष तक ही संतान को जन्म देने की उत्तम अवस्था है, जिसमें मानसिक और शारीरिक रुप से स्वस्थ बच्चे जन्म लेते है। लेकिन माँ बाप और अच्छा ढूंढ़ते ढूंढ़ते हुए शादी की उम्र 30 से 36 कर लेते है, जिससे उनके बच्चों की खुबसूरती भी कम होती जाती है, लड़का–लड़की को वो प्यार नहीं मिलता जिसकी वे हकदार होते है, समाज में तलाक का कारण यही बताया जा रहा है। आज उम्र छोटी हो चुकी है पहले की तरह 100+ नहीं होती अब तो यह केवल 80 तक सीमित है। इसी वजह से आज बच्चें उम्र से पहले बूढ़े नजर आते है, सर गंजा हो जाता है। जिन्होंने कुंडली मिला के रिश्ते किये आज उनके भी रिश्ते टूट रहे हैं, फिर आप लोग क्यों कुंडली का जिक्र कर के रिश्ता ठुकरा देते हैं, शादी कुंडली का नहीं मन का मिलन है, इतिहास गवाह है बिना कुंडली मिलान के लोगों ने सकुशल अपनी शादी की 75वीं सालगिरह तक मनाई है, आप कुंडली को माध्यम बनाकर बच्चों को घर में बिठा कर रखे है, उम्र बढ़ती जा रही है, आता जाता हर यार दोस्त रिश्तेदार सवाल कर जाता है कब कर रहे हो शादी ? उनसे 10 वर्ष कम आयु के लोगों के 8 साल के बच्चें भी हो गये, आप 32–35 साल में शादी करेंगे तो आपके बच्चों की शादी के वक्त आप अपने ही बच्चों के दादा दादी नजर आयेंगे। आप अच्छे घर और वर का चयन करें, लड़की का भाग्य उसके पैदा होने से पहले ही भगवान ने लिख दिया है, भाग्य में सुख लिखे है तो अंधेरे घर में भी रोशनी कर देगी, दुख लिखे है तो पैसे वाले भी डूब जाते है। अंत में बस इतना ही कहना है कि अपने बच्चों की उम्र बर्बाद ना करें, गयी उम्र लौटकर नहीं आती, दूसरों को देख कर अपने लिए वैसा रिश्ता देखना मूर्खता है। आप अपने बच्चों की बढ़ती उम्र और उनकी भावनाओं को समझिए, रिश्ता तो करिए, जिस लड़के वालों में लालच ना हो, लड़का संस्कारी हो, जो आपकी बेटी को प्यार करे, उसकी इज्जत करें। उम्र बहुत छोटी है आप इतने जमीन जायदाद देखकर क्या कर लेंगे, कौन अपने साथ एक तिनका भी ले जा पाया है। बच्चों की बाकी उम्र उनके जीवन साथी के साथ जीने दीजिये समय बहुत बलवान है। आज की लड़कियां पढ़ी लिखी है वो अपने परिवार के साथ कुछ अच्छा तो कर ही सकती है। बच्चों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर बायोडाटा का प्रकाशन एवं उसके बाद समय से बच्चों की शादी कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जिसके लिए "गोलालारीय दर्शन" इन्दौर का प्रयास सराहनीय है, इसके माध्यम से अनेक परिवारों योग्य वर–वधु की तलाश पूर्ण हुई है, पत्रिका के माध्यम से बच्चों की योग्यताओं को भी प्रोत्साहित किया है, जिसके लिए सकल दिगम्बर जैन समाज आभारी रहेगा।